



प्रेस विज्ञप्ति

'12वें दिल्ली अंतरराष्ट्रीय कला उत्सव' के दौरान काव्यपाठ

राजधानी में पूर्वोत्तर भारत की अनुगूँज

नई दिल्ली, 3 दिसंबर 2018 : साहित्य अकादेमी द्वारा अकादेमी सभाकक्ष में बारहवें अंतरराष्ट्रीय कला उत्सव (1-10 दिसंबर 2018) के दौरान अकादेमी की विशिष्ट कार्यक्रम शृंखला 'पूर्वोत्तरी' के अंतर्गत बहुभाषी कविता पाठ का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में पूर्वोत्तर भारत से आए चार भाषाओं के कवियों ने अपनी कविताओं की प्रस्तुति से श्रोताओं को भावविभोर कर दिया। नेपाली, मणिपुरी तथा असमिया भाषा के कवियों सर्वश्री राम शाह, यैमा हाओबा और अनुभव तुलसी ने अपनी कविताओं का पाठ अपनी मातृभाषाओं में किए तथा उनके हिंदी/अंग्रेजी अनुवादों का भी पाठ किया। चर्चित हिंदी कवि-आलोचक भरत प्रसाद ने अपनी हिंदी कविताओं के ओजस्वी पाठ से अलग ही प्रभाव छोड़ा। पठित कविताओं के माध्यम से साहित्यप्रेमियों को पूर्वोत्तर भारत के मानस को समझने की दिशा मिली, जिसमें उन्होंने पाया कि उनकी अभिव्यक्तियाँ न केवल व्यक्ति, परिवार और समाज के स्तर पर बहुआयामी हैं, बल्कि उनकी चिंता कहीं न कहीं संपूर्ण भारतीय और वैश्विक परिवेश से भी जुड़ती है।

कार्यक्रम का संचालन करते हुए अकादेमी के विशेष कार्याधिकारी डॉ. देवेन्द्र कुमार देवेश ने अंत में औपचारिक धन्यवाद ज्ञापन किया। साहित्य अकादेमी की सामान्य परिषद् के सदस्य डॉ. ध्रुव ज्योति बर' ने कार्यक्रम के प्रतिभागियों को कला उत्सव के आयोजकों की तरफ से स्मृति चिह्न प्रदान कर उनका अभिनंदन किया।

(के. श्रीनिवासराम)